

इस अंक में...

- 6 | स्वयं से मिलें
- 8 | समसामयिकी घटना संग्रह
- 9 | समसामयिकी संक्षिप्तकियाँ

19 आर्थिक घटना संग्रह

- आईसीआईसीआई बैंक ने 'कांटेक्टलेस कार्ड' जारी किया
- बीपीएल परिवारों के लिए 5 किलोग्राम वाले एलपीजी सिलेंडरों की बिक्री का शुभारम्भ
- गुजरात सरकार ने वर्ष 2015 के लिए नई औद्योगिक नीति की घोषणा की

22 राष्ट्रीय घटना संग्रह

- 13वाँ प्रवासी भारतीय सम्मेलन गांधीनगर में सम्पन्न
- 102वाँ भारतीय विज्ञान कांग्रेस मुम्बई में आयोजित किया गया
- पाकिस्तान ने दिल्ली-लाहौर सदा ए सरहद व दोस्ती बस सेवा बाधा सीमा तक सीमित की
- छोटे किसानों के लिए ग्रीन फेबलेट का शुभारम्भ किया

27 अन्तर्राष्ट्रीय घटना संग्रह



- अमरीकी राष्ट्रपति बराक ओबामा की तीन दिवसीय भारत यात्रा
- फ्रेंच पत्रिका 'चार्ली एब्दो' के कार्यालय पर हुए आतंकी हमले में 12 लोगों की मृत्यु
- पाकिस्तानी संसद ने सेना अधिनियम संशोधन विधेयक पारित किया

30 खेल खिलाड़ी



- न्यूजीलैण्ड ने श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरिज 2-0 से जीती
- सेरेना विलियम्स ने दुनिया की नम्बर एक महिला टेनिस खिलाड़ी के रूप में 100 सप्ताह पूरे किए

35 महत्वपूर्ण तथ्य संग्रह

लेख

- 38 | सर्वोदय लेख—आधुनिक युग में महात्मा गांधी के सर्वोदय सिद्धान्त का महत्व : एक चिन्तन
- 39 | राजनीति विज्ञान लेख—नागरिक समाज
- 84 | वार्षिक रिपोर्ट 2013-14—रसायन एवं उर्वरक क्षेत्र में अनुसंधान, विकास एवं भावी रणनीतियाँ : विद्वाङ्गलोकन
- 87 | प्रथम पुरस्कृत तार्किक प्रतियोगिता
- 88 | तार्किक प्रतियोगिता क्रमांक-59 का परिणाम
- 89 | रोजगार अवसर

हल प्रश्न-पत्र

- 41 | रेलवे भर्ती सेल (चेन्नई) ग्रुप 'डी' परीक्षा, 2014
- 46 | रेलवे भर्ती सेल (जबलपुर) ग्रुप 'डी' परीक्षा, 2014
- 53 | केन्द्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा, 2014 (प्रथम प्रश्न-पत्र कक्षा I से V तक)
- आगामी स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया के सहयोगी बैंकों में लिपिकीय संवर्ग परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न
- 69 | तर्कशक्ति परीक्षा
- 73 | English Language
- 76 | आंकिक क्षमता
- 79 | सामान्य सचेतता
- 82 | कम्प्यूटर ज्ञान

● सम्पादक : महेन्द्र जैन

● रजिस्टर्ड ऑफिस : 2/11-ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा-2

● सम्पादकीय ऑफिस

1, स्टेट बैंक कॉलोनी, वन चेतना केन्द्र के सामने
आगरा-मथुरा बाईपास, आगरा-282 005
फोन- 4053333, 2531101, 2530966
फैक्स- (0562) 4053330, 4031570
ई-मेल: सम्पादकीय: publisher@pdgroup.in
कस्टोमर केयर: care@pdgroup.in

● दिल्ली ऑफिस

4845, अंसारी रोड, दरियागंज,
नई दिल्ली-110 002
फोन- 011-23251844/66

● हैदराबाद ऑफिस

1-8-1/B, आर. आर. कॉम्प्लेक्स
बाग लिंगमपल्ली, हैदराबाद-500 044
फोन- 040-66753330
मो- 09391487283

● पटना ऑफिस

पीरमोहनी चौक, कदमकुआँ
पटना-800 003
फोन-0612-2673340
मो-09334137572

● कोलकाता ऑफिस

28, चौधरी लैन, श्याम बाजार
कोलकाता- 700 004
फोन- 033-25551510
मो- 07439359515

● लखनऊ ऑफिस

B-33, ब्लॉक स्वचायर, कानपुर
टैक्सो स्टेण्ड लैन, मवइया,
लखनऊ- 226 004
फोन- 0522-4109080
मो- 09760181118

सर्वाधिकार सुरक्षित, प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के इस मैगजीन का कोई भी भाग न तो पुनरुत्पादित किया जाएगा और न किसी भी रूप में, जैसे इलेक्ट्रॉनिक, मेकैनीकल, फोटोकॉपींग, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य प्रकार स्टोर किया जाएगा. हालांकि इस संस्करण में प्रकाशित सूचनाओं के सही होने का हरसम्भव प्रयास किया गया है, फिर भी न तो प्रकाशक व न अन्य कोई कर्मचारी किसी भी त्रुटि अथवा छूट के लिए उत्तरदायी होगा. अस्वीकृत रचनाओं को लेखकों को वापस भेजने के लिए उनके साथ स्वयं का पता लिखा हुआ लिफाफा मय उपयुक्त डाक टिकटों के प्राप्त होगा. रचना के देर से पहुँचने अथवा रास्ते में खो जाने की कोई जिम्मेदारी नहीं ली जाती. पत्रिका में लेखकों द्वारा प्रेषित बयानों, विचारधाराओं तथा प्रकाशित विज्ञापनों की कोई जिम्मेदारी 'सक्सेस मिरर' की नहीं है.



स्वयं से मिलें

अपने मन में आप स्वयं के लिए, जो कुछ कहते हो वैसे ही आप बनते जाते हैं।
(What you feel, you become.)

जैसे आपने कहा कि मैं बहुत डरता हूँ, हर वक्त अकेलापन महसूस करता हूँ, तो आप इसी अवस्था को और अधिक महसूस करते रहेंगे।

आप कहते हैं कि कोई हमें नहीं समझता, प्यार नहीं करता, इज्जत नहीं देता, तो एक दिन ऐसा ही होने लग जाएगा। अब भी ऐसा इसीलिए होता है, क्योंकि आप स्वयं को नहीं समझ पाते, न ही स्वयं की योग्यताओं पर भरोसा कर पाते। आपका अन्तर्मन जैसा सोचता व महसूस करता है बाहर की परिस्थितियाँ वैसी ही भासित होने लग जाती हैं, इसलिए खुद के मन की बातों को सुनो और इन्हें बदलो, जैसा अपना भविष्य देखना चाहते हैं, वैसा ही सोचो, वैसा ही बोलो।

आत्मविश्वास का अभाव हर योग्य व्यक्ति को पीड़ित व प्रताड़ित करता है।

आप मन-ही-मन भयभीत होते हैं, घबराते हैं। अतीत के दुःखद अनुभवों को, जितना अधिक सोचेंगे मन में घबराहट बढ़ती जाएगी, जो भी आपके साथ हुआ हो उसे भूलना ही बेहतर है, पर आप चाहते हुए भी भूल नहीं पाते, मन बार-बार उसे ही सोचने लगता है तब, आप स्वयं को व अन्यो को बार-बार कहते हो कि मैं भूलना चाहता हूँ, पर भूल नहीं पाता हूँ। ऐसा कहना ही आपके लिए बन्धन निर्मित कर रहा है। यदि वाकई भूलना है, तो बार-बार यह मत कहो कि मैं भूल नहीं पाता। आप जो कुछ अपने मन में कहते हो वह सच होता जाता है। अतः अतीत को आदेश दो कि वह प्रभावमुक्त हो जाएं। अपने आपको निर्देश देते हुए कहो कि—

मैं अपने चित्त के विकारी रूपों को स्वयं से विलग करता हूँ। विलग करता हूँ।

विलग करता हूँ। वोसिरामि। वोसिरामि। वोसिरामि।

मनों में व्याप्त भय व घबराहट मानसिक दीनता का परिणाम है, जब तक हम मानसिक रूप से पराश्रित हैं, तब तक सदैव चल-विचलन मानसिकता के शिकार रहेंगे। अन्य लोगों पर आसक्तियुक्त निर्भरता हमारी आन्तरिक सृजनात्मक प्रेरणाओं को हानि पहुँचाती रहेगी। हम, गीत गा सकते हैं, लिख सकते हैं, चित्र बना सकते हैं, नवीन सृजन कर सकते हैं बशर्ते कि दूसरों की नकारात्मक टिप्पणियों के प्रभाव क्षेत्र से अछूता रहना सीख जाएं। आपका मन दूसरों से खुशी-गम लेने को आतुर न हो। लोग तो चाहेंगे कि हम उनकी बातों से प्रभावित हों। उनकी सोच के अनुरूप व्यवहार करें, किन्तु हमें उस सोच के प्रभाव क्षेत्र से ऊपर उठना जरूरी है। ताकि हम स्वयं को जी सकें, जिसे जीने के लिए इस जगत् में हमारा पदार्पण हुआ है। वह हमारा अपना जीवन है, उसे धिक्कारो मत, नकारो मत। घबराकर हार मत स्वीकारो। औरों को जीवन में परिधि क्षेत्र पर रखो, अपना केन्द्र न बनने दो। ध्यान रहे, हमारी केन्द्र सत्ता किसी ऐसे व्यक्ति के हाथ न हो, जो हमारे स्वरूप से भिन्न हो। अगर ऐसा है, तो हर चीज को हरेक की सत्ता को पुनर्व्यवस्थित करो, स्वस्थ हो जाओगे।